AZAD UPPCS ACADEMY

AZAD UPPSC ACADEMY

Unit Of Azad Group

Azad Group
empowering nation...

प्राचीन भारत का इतिहास

Q1 :- निम्नलिखित में से कौन सा कथन असंगत है/हैं?

(i). कोलडिहवा – चावल के साक्ष्य

(ii). अतंरजीखेडा – लोके के साक्ष्य

(iii). नेवासा– नैदानिक मृद्भाण्ड

(iv). चिरांद – स्तम्भ गर्त

(A). केवल (i)

(B). केवल (ii)

(C). केवल (iii)

(D). उपरोक्त में से कोई नहीं

AZAD UPPCS ACADEMY

1(C):- • कोलडिहवा : यहां से बेलन नदी के किनारे इलाहाबाद के दक्षिण में स्थित है। यहां के उत्खनन से 6000 ई. पू. के आस–पास धान उगाने के प्रमाण मिले हैं इसे चावल की खेती का भारत में ही नहीं अपितु विश्व में सबसे पुराना साक्ष्य माना जाता हैं।

- अतरंजीखेड़ा : भारत में लोहे का साक्ष्य 1000 ई.पू. के एटा जिले के अतरंजीखेड़ा से प्राप्त हुआ है।
- नेवासाः नेवासा जोर्वे संस्कृति का एक महत्वपूर्ण स्थल हैं। यहां से नैदानिक मृद्भाण्ड (Diagnostic Pottery) के साक्ष्य मिले हैं। ये मृद्भाण्ड लाल तल पर काली डिजाइन वाले चॉक निर्मित बर्तन हैं और इनका एक विशिष्ट नमूना टोंटीदार तथा नवतली बर्तन है।
- स्तम्भ गर्त : स्तम्भ गर्त का अर्थ है– रहने के फर्श पर ऐसे गर्त जिनमे स्तम्भ गाड़े गये हैं और उन पर छत बनाई गई है। स्तम्भ गर्त के साक्ष्य इलाहाबाद जिले के सराय नहर राय क्षेत्र से तथा प्रतापगढ़ जिले के महदहा क्षेत्र से प्राप्त हुये हैं।

Q2 :- निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

(i). हड़प्पा की कनिष्क कालीन संस्कृति मालवा संस्कृति है।

(ii). ताम्बवती के नाम से कयथा संस्कृति प्रसिद्ध है।

(iii). इनामगांव का संबंध जोर्वे संस्कृति से है।

उपरोक्त में से कौन –सा/से कथन सत्य हैं/हैं?

(A). केवल (i)

(B). केवल (ii)

(C). केवल (iii)

(D). (iii) और (iii)

AZAD UPPCS ACADEMY

2(C) :- कयथा संस्कृति (2450–1700 ई.पू.) हड़प्पाा संस्कृति की कनिष्ठ समकालीन संस्कृति मानी जाती है। आहार संस्कृति (2800 –1500 ई.पू.) का प्राचीन नाम ताम्बवती अर्थात् तांबे वाली जगह हैं, क्योंकि यहां पत्थर की जगह ज्यादातर तांबे के औजार प्राप्त हुये हैं

इनामगांव का संबंध जोर्वे संस्कृति से है। यहां से चूल्हों सहित बड़े–बड़े कच्ची मिट्टी के मकान और गोलाकार गड्ढ़ों वाले मकान मिले हैं । इनामगांव ताम्रपाषाण काल की एक बड़ी बस्ती थी।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 3 :- निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

(i). क्वार्ट्जाइट पत्थरों के स्थान पर जैस्पर, चर्ट आदि के पत्थर सर्वप्रथम प्रयुक्त हुये – निम्न पुरा पाषाण काल

(ii). हस्त – कुठार (Hand -Axe), विदारिणी (Cleaver) ओर खण्डक (गंड़ासा)उपकरण प्रयुक्त हुये – उच्च पुरा पाषाण काल

(iii). अग्नि का उपयोग करना – मध्य पाषाण काल

उपरोक्त में से कौन –सा/से कथन सत्य हैं/हैं?

(A). केवल (i)

(B). केवल (ii)

(C). केवल (iii)

(D). उपरोक्त में से कोई नहीं

AZAD UPPCS ACADEMY

3(d):- • मध्य पुरा पाषाण काल : क्वार्ट्जाइट पत्थरों के स्थान पर जैस्पर, चर्ट आदि के पत्थर सर्वप्रथम प्रयुक्त हुये।

- निम्न पुरा पाषाण काल : हस्त कुठार (Havel.Axe), विदारिणी (Cleaver)और खण्डक (गंडासा) उपकरण प्रयुक्त हुये।
- नव पाषाण काल : अग्नि का उपयोग करना, जबकि आग की जानकारी पूर्व पुरा पाषाण काल में हो गई थी।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 4 :- सूची–I को सूची–II से सुमेलिति कीजिये तथा सूची के नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन कीजिये:

सूची–I (प्रमुख स्थल)	सूची–II (स्थिति)
a. रंगपुर	1. हरियाणा का हिसार जिला
b. सुत्कागेंडोर	2. गुजरात का काठियावाड़ जिला
c. बनमाली	3. गुजरात का कच्छ जिला
d. धौलावीरा	4. पाकिस्तान के मकरान में

कूट :	a	b	c	d
(A).	4	3	2	1
(B).	3	4	1	2
(C).	2	2	1	3
(D).	4	2	1	3

AZAD UPPCS ACADEMY

4(c):- सैंधव सभ्यता के प्रमुख स्थल : नदी, उत्खननकर्ता एवं वर्तमान स्थिति

AZAD UPPCS ACADEMY

प्रमुख स्थल	नदी	उत्खननकर्ता	वर्ष	स्थिति
1.हड़प्पा	रावी	दयाराम साहनी एवं माधोस्वरूप वत्स	1921	पाकिस्तान का मॉण्टागोमरी जिला
2. मोहनजोदड़ों	सिन्धु	राखालदास बनर्जी	1922	पाकिस्तान के सिंध प्रांत का लरकाना जिला
3. चन्हूदड़ो	सिन्धु	गेपाल मजुमदार	1953	सिंध प्रांत (पाकिस्तान)
4. कालीबंगा	घग्घर	बी.बी. लाल एव ंबी.बी. के. थापर	1953–54	राजस्थान का हनुमानगढ़ जिला
5. कोटदीजी	सिन्धु	फजल अहमद	1953	सिंध प्रांत का खैरपुर स्थान
6. रंगपुर	मदर	रंगनाथ राव	1953–54	गुजरात का काठियावाड़ जिला
7. रोपड़	सतलज	यज्ञदत्त शर्मा	1953–56	पंजाब का रोपड़ जिला
8. लोथल	भोगवा	रंगनाथ राव	1955 एवं 1962	गुजरात का अहमदाबाद जिला
9. आलमगीपुर	हिण्डन	यज्ञदत्त शर्मा	1958	उत्तर प्रदेश का मेरठ
10. सुत्कागेंडोर	दाश्क	ऑरेंज स्टाइल, जॉर्ज डेल्स	1927 एवं 1962	पाकिस्तान के मकरान में समुद्र तट के किनारे
11.बनमाली	रंगोई	रवीन्द्र सिंह विष्ट	1974	हरियाणा का हिसार जिला
12. धौलावीरा	– –	रवीन्द्र सिंह विष्ट	1990 –91	गुजरात का कच्छ जिला

Q 5 :- हड़प्पाकालीन प्रमुख नगर जिन्हें 'नगर' की संज्ञा दी गई है:

(i). हड़प्पा (ii). मोहनजोदड़ो (iii). लोथल

(iv). सुत्कागेण्डोर (v). रोपड़ (vi). आलमगीर पुर

(vii). चन्हूदड़ो

कूटः

(A). i, ii, v, vi (B). i, ii, iii. vii

(C). I, ii, iv, v, vi (D). I, ii, vi, vii

AZAD UPPCS ACADEMY

5 (b) :- हड़प्पा संस्कृति में अब तक लगभग 1500 स्थलों का पता लगाया जा चुका हैं, किन्तु उनमें से केवल 7 नगरों को ही नगर की संज्ञा दी जा सकती है, जो निम्नलिखित हैं–

(1) हड़प्पा (2) मोहनजोदड़ो (3) चन्हूदड़ों

(4) लोथल (5) बनवाली (6) धौलावीरा

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 6:- निम्नलिखित पशुओं में से किस एक का हड़प्पा संस्कृति में पाई गई मुहरों और टेराकोटा कलाकृतियों में निरूपण हुआ हैं:

(i) हाथी (ii) गैंडा (iii) गाय (iv) बाघ (v) हिरण

कूट:

(A). i, ii, v, vi

(B). i, iii, iv. v

(C). I, ii, iv, v

(D). उपरोक्त सभी

AZAD UPPCS ACADEMY

6 (c) :- हड़प्पा संस्कृति की मुहरों एवं टेराकोटा कलाकृतियों में गाय का चित्रण नहीं मिलता जबकि हाथी, गैंडा, बाघ हिरण, भेड़ आदि का अंकन मिलता है।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 7 :- निम्नलिखित में से कौन –सी विशेषता हड़प्पााकालीन भौतिक संस्कृति से संबंधित नहीं है?

(A). आयताकार नगर योजना

(B). नहर प्रणाली द्वारा सिंचाई व्यवस्था का अभाव

(C). उपकरणों के लिए ताम्र कांस्य के साथ – साथ लोहे का प्रयोग

(D). मोहनजोदड़ों ओर हड़प्पा के विशाल अन्नागार

AZAD UPPCS ACADEMY

7 (C) :- हड़प्पा सभ्यता एक कांस्ययुगीन सभ्यता थी। यहां से तांबा, कांसा, स्वर्ण और चांदी आदि धातुएं तो मिली हैं परन्तु लोहे की प्राप्ति नहीं हुई हैं। वस्तुतः हड़प्पा कालीन लोग से परिचित नहीं थे। भारत में लौह युग का प्रारम्भ उत्तर वैदिक काल (लगभग 1000 ई.पू.) से माना जाता है।

AZAD UPPCS ACADEMY

AZAD UPSC ACADEMY
Unit Of Azad Group

Online/ Offline Batch

AZAD IAS ACADEMY

IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए

www.azadiasacademy.com

M.9115269789

Our Publication

Azad Publication

अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,

www.azadpublication.com

M.8929821970

Our Foundation

Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हेतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभागी हैं।

www.azadfoundation.net

Unitofazadgroup@gmail.com

ACADEMY

Q 8 :- निम्नलिखित ऋग्वैदिक देवताओं में से किसे खगोलीय, वायुमण्डलीय एवं पार्थिव तीनों भागों में रखा गया है?

(A). त्वश्त्री

(B). विष्णु

(C). वरूण

(D). द्यौस

AZAD UPPCS ACADEMY

8 (c) :- 'यास्क' ने अपने ग्रंथ निरूक्त में ऋग्वैदिक देवताओं की मण्डली बनायी है जिनकी संख्या 33 है। इन्हें आकाश, अन्तरिक्ष एवं पृथ्वी के देवता के रूप में विभाजित किया गया हैं। 'अग्नि' (त्वश्त्री) ही एकमात्र ऐसा देवता था

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 9 :- ऋग्वैदिक देवता "इन्द्र" के विषय में क्या सही नहीं हैं?

(A). उसे भोज एवं सोमरस पान प्रिय थे।

(B). वह पुरों को नष्ट करने वाला था।

(C). एक सौन शक्तियों का स्वामी।

(D). वह ऋतु का धारक था।

AZAD UPPCS ACADEMY

9 (d) :- ऋग्वैदिक आर्यो के सबसे महत्वपूर्ण एवं प्रतापी देवता इन्द्र थे। इन्हें पुरन्दर अर्थात् किलों को तोड़ने वाला, वृत्तासुरहन्ता (वृत्तासुर नामक राक्षस का वध करने वाला) पुरभिद् (बादलों को भेदने वाला) सोमापा (सोम का अत्यधिक पान करने वाला), शतक्रति (एक सौ शक्तियों का स्वामी), मधवान (दानी) आदि नामों से जाना जाता है।

परन्तु ऋग्वैदिक देवताओं में वरूण को ऋतु प्राकृतिक सन्तुलन का रक्षक कहा गया है। समझा जाता है कि जगत में जो भी घटना है वह इसी सी इच्छा का परिणाम है।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 10 :- निम्न लिखित को सुमेलित कीजिए:

सूची– I	सूची– II
a. ब्रह्म विवाह	1. समान वर्ण में कन्या का मूल्य चुकाकर
b. दैव विवाह	2. यज्ञ करने वाले के साथ विवाह
c. प्रजाप्त्य विवाह	3. प्रेम विवाह
d. गान्धर्व विवाह	4. बिना लेन–देन के योग्य वर से विवाह
e. असुर विवाह	5. कन्या के बदले वर से धन प्राप्त करना

कूट:	a	b	c	d	e
(A).	1	2	3	3	5
(B).	1	2	3	4	5
(C).	2	1	5	4	3
(D).	5	4	1	1	2

AZAD UPPCS ACADEMY

10 (a) :- वैदिक संस्कृति में विवाह एक पवित्र संस्कार माना जाता था। गृह्यय सूत्र में आठ प्रकार के विवाहों का वर्णन मिलता है। प्रस्तुत प्रश्न का सही सुमेलन निम्नवत् है:

A. ब्रह्म विवाह – समान वर्ण में कन्या का मूल्य चुकाकर आधुनिक विवाह पद्धति के ही समरूप।

B. दैव विवाह – कन्या का पिता एक यज्ञ का आयोजन करता था तथा जो ब्राह्मण यज्ञ का सम्पादन करता था, उसे अपनी कन्या का दान देता था।

C. प्रजापत्य विवाह – कन्या का पिता वर को आदेश देता था कि दोनो साथ –साथ मिलकर अपने कर्तव्यों का निर्वाह करें। एक प्रकार की वचन बद्धता प्राप्त कर लेता था।

D. गान्धर्व विवाह – प्रेम विवाह था। इसमें माता–पिता को जानकारी नही होती थी।

E. असुर विवाह – यह विक्रम विवाह था। इसमें कन्या का पिता, वर से कन्या मूल्य लेकर बेच देता था।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 11 :- सूची– I को सूची– II से सुमेलित कीजिए:

सूची– I	सूची– II
a. आश्वलायन	1. मैत्रायण संहिता
b. आपस्तम्ब	2. गृह्यसूत्र
c. याज्ञवल्कय	3. निरूक्त
d. यास्क	4. धर्मसूत्र

कूट:	a	b	c	d
(A).	1	4	2	3
(B).	3	1	2	4
(C).	2	3	1	4
(D).	2	4	1	3

AZAD UPPCS ACADEMY

11 (d) :- • आश्वलायन, गृह्यसूत्र (600 ई.पू. से 300 ई.पू) के रचयिता माने जाते हैं, इसमें गृह कर्मकाण्डों एवं यज्ञों का विवरण हैं।

- आपस्तम्ब, धर्मसूत्र (500 ई.पू. से 200 ई.पू.) के रचयिता माने जाते हैं, इसमें राजनीतिक, सामाजिक एंव धार्मिक कर्त्तव्यों का उल्लेख मिला है।
- लेखक महर्षि याज्ञवल्कय ने यजुर्वेद की मैत्रायण संहिता की रचना की, इसमें याज्ञवल्कय– गार्गी के प्रसिद्ध संवाद का विवरण है।
- यास्क, निरूक्त (ई.पू. 5वीं सदी) के रचयिता माने जाते हैं, इसका अर्थ है – व्युत्तपत्तिशास्त्र।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 12:- निम्न राजाओं पर विचार कीजिए।

1. अजातशत्रु 2. बिन्दुसार 3. बिम्बिसार

इनमें से कौन –कौन बुद्ध के समकालीन थे?

(A). केवल 1

(B). 2 और 3

(C). 1 और 3

(D). 1, 2 और 3

AZAD UPPCS ACADEMY

12 (c) :- अजातशत्रु ओर बिम्बिसार महात्मा बुद्ध (563–483 ई.पू.) के समकालीन थे। अजातशत्रु के समय प्रथम बौद्ध संगीति राजगृह में 483 ई.पू. में आयोजित की गई थी तथा बिम्बिसार ने महात्मा बुद्ध की सेवा में राजवैद्य जीवक को भेजा। अवन्ति के राजा प्रद्यौत जब पाण्डु रोग से ग्रसित थे उस समय भी बिम्बिसार ने जीवक को उनकी सेवा – सुश्रूषा के लिए भेजा था। चंद्रगुप्त मौर्य का उत्तराधिकारी बिंदुसार 298 ई.पू. में मगध की राजगद्दी पर बैठा।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 13:- निम्नलिखित मगध राजवंशों को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिये:

1. नंद वंश 2. शुंग वंश 3. मौर्य वंश 4. हर्यक वंश

उत्तर निम्न कूटों में से चुनिये:

(A). 2, 1, 4 व 3

(B). 4, 1, 3 एवं 2

(C). 3, 2, 1 एवं 4

(D). 1, 3, 4 एवं 2

AZAD UPPCS ACADEMY

13 (b) :- विकल्प में दिये गये राजवंशों का क्रम इस प्रकार है:

हर्यक वंश	—	544 ई.पू. — 412 ई.पू.
नंद वंश	—	344 — 324 — 23 ई.पू.
मौर्य वंश	—	323 ई.पू. — 184 ई.पू.
शुंग वंश	—	185— 75 ई.पू.

इन राजवंशों के अन्तर्गत सोलह महाजनपदों में से एक मगध का एक साम्राज्य के रूप में आविर्भाव हर्यक वंश के शासन के साथ हुआ। बिम्बिसार इस वंश का प्रथम शक्तिशाली शासक था। पुराणों के अनुसार नन्द वंश का संस्थापक महापदमनंद एक शुद्र शासक था। पुराणों के अनुसार नन्द वंश का संस्थापक महापदनंद एक शूद्र शासक था। इसने एकराट और एकछत्र की उपाधि धारण की थी। अपने गुरू चाण्क्य की सहायता से अन्तिम नन्द शासक धनानन्द को पराजित कर चन्द्रगुप्त मौय्र ने मौर्य साम्राज्य की सीापना की । शुंग वंश की सीापना 185 ई.पू. मे मौर्य सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने अंतिम मौर्य वृहद्रथ शासक की हत्या करके की थी।

Q 14:- निम्न में से कौन –सा जोड़ा सही सुमेलित नही है?

(A). प्रथम बौद्ध संगीति – सप्तपर्णित गुफा (राजगृह के समीप)

(B). द्वितीय बौद्ध संगीति – मगध

(C). तृतीय बौद्ध संगीति – पाटलिपुत्र

(D). चतुर्थ बौद्ध संगीति – कश्मीर

AZAD UPPCS ACADEMY

14 (b) :- प्रथम बौद्ध संगीति बुद्ध की मृत्य के तत्काल बाद मगध नरेश अजातशत्रु के कार्यकाल में राजगृह अथवा राजगीर स्थित सप्तपर्णि गुफा में संपन्न हुई थी। द्वितीय बौद्ध संगीति का आयोजन कालाशोक के शासनकाल में बुद्ध की मृत्यु के 100 वर्ष बाद वैशाली में किया गया। तृतीय बौद्ध संगीति मौर्य सम्राट अशोक के शासनकाल में पाटलिपुत्र में हुई थी। मोग्गलिपुत्र तिस्स इसके अध्यक्ष थे। चतुर्थ बौद्ध संगीति कनिष्क के शासनकाल में कुंडल वन (कश्मीर) में संपन्न हुई । इसकी अध्यक्षता वसुमित्र एवं उपाध्यक्षता अश्वघोष ने की।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 15:- बौद्ध धर्म के दस शील एवं जैन धर्म के पंच महाव्रतों के संन्दर्भ में विचार करें:

1. अहिंसा 2. अस्तेय 3. अपरिग्रह 4.ब्रह्मचर्य

(A). 1 और 2

(B). 3 और 4

(C). 1, 2 और 3

(D). उपरोक्त सभी

AZAD UPPCS ACADEMY

15 (d) :- बौद्ध धर्म में निर्वाण प्राप्ति के लिये सदाचार तथा नैतिक जीवन पर अत्यधिक बल दिया गया है। इस शीलों का अनुशीलन नैतिक जीवन का आधार है। इन दस शीलों को 'शिक्षापद' भी कहा गया है, जो निम्नलिखित है।

1. अहिंसा 2.सत्य 3. अस्तेय (चोरी न करना), 4. अपरिग्रह (धन संचय न करना) 5. ब्रह्मचर्य , 6. दोपहर के बाद भोजन न करना, 7. व्यभिचार न करना, 8. मद्य निषेध, 9. आरामदायक शय्या का त्याग , 10. आभूषणों का त्याग । जैन धर्म के पंच महाव्रतः

1. अहिंसा 2. सत्य, 3. अस्तेय , 4. अपरिग्रह 5. ब्रह्मचर्य

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 16:- निम्नलिखित में से कौन सही सुमेलित हैं?

(A). उपोसथ – भिक्षु–भिक्षुणियों का एकत्रित होकर धर्म वार्ता करना।

(B). उपसम्पदा – संघ में प्रविष्ट होना

(C). प्रवज्या – गृहस्थ जीवन का त्याग

(D). उपरोक्त सभी

AZAD UPPCS ACADEMY

16 (d) :- उपोसथ : किसी विशेष अवसर पर सभी भिक्षु – भिक्षुणियों का एक साथ एकत्र होकर धर्म वार्ता करना ।

उपसम्पद : संघ में प्रविष्ट होना।

प्रवज्या : गृहस्थ जीवन का त्याग

(नोट : श्रामणेर : प्रवत्या ग्रहण करने वाले को श्रामणेर कहते है।)

अतः विकल्प (d) सत्य है।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 17:- निम्नलिखित में से कौन कथन असत्य है?

(A). महायान शाखा के अन्तर्गत शून्यवाद एवं विज्ञानवाद आते है।

(B). हीनयादन के अन्तर्गत वैभाषिक तथा सौत्रान्त्रिक मत शामिल है।

(C). वज्रयान में तान्त्रिक तत्वों का समावेश है

(D). विज्ञानवाद का प्रवर्तन नागार्जून ने किया था।

AZAD UPPCS ACADEMY

17 (d) :- महायान सम्प्रदाय दो शाखाओं – (1) माध्यमिकवाद या शून्यवाद तथा (2) विज्ञानवाद या योगाचार में विभक्त हो गया। शून्यवाद (माध्यमिकवाद) के प्रवर्तक नागार्जुन है। इस मत को सापेक्षवाद भी कहा जाता है।, जिसके अनुसार प्रत्येक वस्तु किसी – न किसी कारण से उत्पन्न हुई है। विज्ञानवाद या योगाचार मत की स्थापना मैत्रेय या मैत्रेयनाथ ने की तथा असंग तथा वसुबन्धु ने इसका विकास किया।

हीनयाद दो सम्प्रदायों वैभाषिक एवं सौतान्तिक में विभक्त हुआ। वैभाषिक मत की उत्पत्ति मुख्य रूप से कश्मीर में हुई। विभाषाशस्त्र पर आधारित होने के कारण इसे वैभाषिक कहा गया । सौत्रान्तिक मत का मुख्य आधार सुत्त पिटक है, अतः इसे सौत्रान्तिक कहा गया । छठी शताब्दी ई. में बौद्ध धर्म में अनेक दोष आने शुरू हो गये, जिसके फलस्वरूप वज्रयान नामक नये सम्प्रदाय का उदय हुआ, इसमें तांत्रिक तत्वों का समावेश है।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 18:- अभिलेख, जिससे यह प्रभावित होता है कि चन्द्रगुप्त का प्रभाव पश्चिम भारत पर था है:

(A). कलिंग शिलालेख

(B). अशोक का गिरनार शिलालेख

(C). रूद्रदामन का जूनागढ़ शिलालेख

(D). अशोक का सोपारा शिलालेख

AZAD UPPCS ACADEMY

18 (c) :- 150 ई. के रूद्रदामन के जूनागढ़ शिलालेख में आवर्त और सौराष्ट्र (गुजरात) प्रदेश में चन्द्रगुप्त मौर्य के प्रांतीय राज्यपाल पुष्यगुप्त द्वारा सिंचाई के बांध के निर्माण का उल्लेख मिलता है, जिससे यह सिद्ध होता है कि पश्चिम भारत का यह भाग मौर्य साम्राज्य में शामिल था।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 19:- निम्न में से कौन –सी लिपियां अशोक के अभिलेखों में प्रयुक्त हुई हैं?

(A). ब्राह्मी , खरोष्ठी, अरामेइक, ग्रीक।

(B). खरोष्ठी, ग्रीक, शारदा, ब्राह्मी

(C). देवनागरी, अरामेइक, ब्राह्मी, खरोष्ठी।

(D). ब्राह्मी, खरोष्ठी, ग्रीक, देवनागरी।

AZAD UPPCS ACADEMY

19 (a) :- अशोक के सभी अभिलेखों की भाषा प्राकृत है जबकि ये ब्राह्मी , खरोष्ठी अरामेइक एवं यूनानी लिपियों में लिखे गए हैं। लघु शिलालेख, स्तम्भ लेख (दीर्घ एंव लघु) एवं गुहालेखों की लिपियां केवल ब्राह्मी हैं। भारत के बाहर पाए गए कुछ शिलालेखों की लिपियां ही खरोष्ठी, अरामेइक एवं यूनानी हैं।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 20:- निम्नलिखित में से कौन –सा कथन संगत है?

(A). प्रणय – एक प्रकार का धार्मिक कर।

(B). रज्जु – भूमि की माप के समय लिया जाने वाला कर।

(C). विष्टि – प्रजा द्वारा राजा को दिया जाने वाला उपहार।

(D). उपरोक्त में से कोई नहीं ।

AZAD UPPCS ACADEMY

AZAD UPSC ACADEMY
Unit Of Azad Group

Online/ Offline Batch

AZAD IAS ACADEMY

IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए

www.azadiasacademy.com

M.9115269789

Our Publication

Azad Publication

अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,

www.azadpublication.com

M.8929821970

Our Foundation

Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हेतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभागी हैं।

www.azadfoundation.net

Unitofazadgroup@gmail.com

ACADEMY

20 (b) :- प्रणय : संकट काल में प्रजा द्वारा वसूला जाने वाला कर।

रज्जु : भूमि की माप की समय लिया जाने वाला कर।

विष्टि : निःशुल्क श्रम अर्थात् बेगार

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 21:- निम्नलिखित में से कौन –सा सुमेलित नहीं हैं?

सूची–I (शिलालेख)	सूची – II (प्राप्ति स्थल)
(A). मानसेहरा	1. पाकिस्तान के हजारा जिले में
(B). कालसी	2. उत्तराखण्ड के देहरादून जिले में
(C). गिरनार	3. जूनागढ़, गिरनार की पहाड़ी
(D). धौली	4. उड़ीसा के गंजाम जिले में

AZAD UPPCS ACADEMY

21 (d) :- धौली शिलालेख, ओड़िशा के पुरी जिले में स्थित एक गांव में है।, जबकि ओड़िशा के गंजाम जिले में स्थित शिलालेख "जौगढ़" के नाम से जाना जाता है।।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 22:- सूची – को सूची – से सुमेलित करें:

सूची–I (शिलालेख)	सूची – II (विषय)
(a). पहला	1. आत्म – नियंत्रण की शिक्षा
(b). दूसरा	2. भेरीघोष की जगह धम्मघोष की घोषणा।
(c). चौथा	3. पशु एवं मनुष्य की चिकित्सा का प्रबंध
(d). छठा	4. पशुबलि की निंदा

कूट:	a	b	c	d
(A).	1	2	3	4
(B).	4	3	2	1
(C).	4	3	1	2
(D).	1	2	4	3

AZAD UPPCS ACADEMY

22 (b) :- सही सुमेल हैं:

सूची –I(शिलालेख)		सूची– II (विषय)
A. पहला	–	पशुबलि की निंदा
B. दूसरा	–	पशु एवं मनुष्य की चिकित्सा का प्रबंध
C. चौथा	–	भेरीघोष की जगह धम्मघोष की घोषणा।
D. छठा	–	आत्म – नियंत्रण की शिक्षा

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 23:- निम्नलिखित कथनो पर विचार कीजिये:

(i) प्रयाग – स्तम्भ लेख को अकबर ने इलाहाबाद के किले में स्थापित करवाया था।

(ii) रामपुरवा स्तम्भ लेख चम्पारण (बिहार) में स्थित है।

(iii) सम्मिनदेई स्तम्भ लेख को 'रानी का अभिलेख' कहा जताा है।

उपरोक्त में से कौन–सा/से कथन सत्य है/हैं?

(A). i और ii

(B). ii और iii

(C). i और iii

(D). उपरोक्त सभी

AZAD UPPCS ACADEMY

23(a):- प्रयाग स्तम्भ लेख पहले कौशाम्बी मे स्थित था। इस लेख को अकबर ने इलाहाबाद के किले में स्थापित कराया। रामपुरवा स्मम्भ लेख चम्पारण (बिहार) में स्थापित है।, इसकी खोज 1875 ई. में कारलायल ने की। कौशाम्बी अभिलेख को 'रानी को अभिलेख' कहा जाता है, जबकि रूम्मिनदेई अशोक का सबसे छोटा स्तम्भ लेख है। इसी लुम्बिनी में धम्म –यात्रा के दौरान अशोक द्वारा भू–राजस्व की दर घटा देने की घोषणा की गई है।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 24:- हेलियोडोरस के बेसनगर अभिलेख से उल्लेख होता हैं:

(A). संकर्षण और वासुदेव का

(B). संकर्षण, वासुदेव एवं प्रद्युम्न का

(C). सभी पांच वीरों का

(D). वासुदेव का

AZAD UPPCS ACADEMY

24 (d) :- हेलियोडोरस तक्षशिला के यवन शासक एण्टिलकिड्स का राजदूत था, जिसने बेसनगर में वासुदेव के सम्मान में गरूणध्वज की स्थापना की।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 25:- निम्नलिखित में से कौन–सा कथन संगत हैं?

(A). कनिष्क का राजकवि अश्वघोष था।

(B). भारत का आइन्सटीन नागार्जुन को कहा जाता हैं।

(C). कनिष्क का राजवैध चरक था।

(D). उपरोक्त सभी

AZAD UPPCS ACADEMY

25 (d) :- कनिष्क का राजकवि अश्वघोष था, जिसने बौद्धों का रामायण 'बुद्धचरित' की रचना की थी। भारत का आइन्सटीन नागार्जुन को कहा जाता है। इनकी पुस्तक 'माध्यमिक सूत्र' है, जिसमें नागार्जुन ने 'सापेक्षता का सिद्धांत' प्रस्तुत किया है। कनिष्क का राजवैद्य आयुर्वेद का विख्यात विद्वान चरक था, जिसने 'चरक संहिता ' की रचना की।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 26:- निम्नलिखित कथनो में से कौन –सा कथन संगत हैं?

(i) रूद्रदामन प्रथम ने काठियावाड़ की अर्द्धशुष्क सुदर्शन झील का जीर्णोद्धारा करवाया ।

(ii) सबसे पहले रूद्रदामन प्रथम ने विशुद्ध संस्कृत भाषा में गिरनार अभिलेख जारी किया ।

(iii) शकों पर विजय के उपलक्ष्य में 58 ई.पू. से विक्रम संवत् प्रारंभ हुआ

कूटः

(A). i और ii

(B). ii और iii

(C). i और iii

(D). उपरोक्त सभी

AZAD UPPCS ACADEMY

26 (d) :- शकों पर विजय के उपलक्ष्य में 58 ई.पू. से एक नया संवत् विक्रम संवत् के नाम से प्रारंभ हुआ। उसी समय से 'विक्रमादित्य' लोकप्रिय उपाधि बन गई। गुप्त सम्राट चन्द्रगुप्त द्वितीय सबसे अधिक विख्यात विक्रमादित्य था।

ई.) गुजरात के बड़े भाग पर था। इसने काठियावाड़ की अर्द्धशुष्क सुदर्शन झील (मौर्यो द्वारा निर्मित) का जीर्णोद्धार किया। रूद्रदामन संस्कृत का बड़ा प्रेमी था। उसने ही सबसे पहले विशुद्ध संस्कृत भाषा में लम्बा अभिलेख (गिरनार अभिलेख) जारी किया, इसके पहले के सभी अभिलेख प्राकृत भाषा में रचित हैं।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 27:- कौन सुमेलित नहीं है?

(A). महासंधिविग्रहिक – युद्ध व शांति का मंत्री

(B). महादंडनायक – सेना का सर्वोच्च अधिकारी

(C). विनयस्थिति स्थापक – धार्मिक मामलों का प्रमुख अधिकारी

(D). महाश्वपति – गज सेना का अध्यक्ष

AZAD UPPCS ACADEMY

27 (d) :- गुप्तकालीन साम्राज्य में " महाश्वपति / भटाश्वरपति" घुड़सवारों की सेना के प्रधान अधिकारी को कहते थे। जबकि गज सेना का अध्यक्ष "महापीलुपति" कहलाता था।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 28:- सूची – को सूची – से सुमेलित कीजिए:

सूची–I	सूची – II
(a). प्रयाग / इलाहाबाद प्रशस्ति	1. समुद्रगुप्त अभिलेख
(b). विलसड स्तंभ लेख	2. कुमारगुप्त
(c). भितरी स्तंभ लेख	3. स्कंदगुप्त
(d). मंदसौर लेख	4. बंधुवर्मन

कूट:

	a	b	c	d
(A).	1	2	3	4
(B).	2	1	4	3
(C).	3	4	2	1
(D).	4	3	2	1

AZAD UPPCS ACADEMY

28 (a) :- सही सुमेल है:

सूची–I		सूची – II
(A). प्रयाग/इलाहाबाद प्रशस्ति	–	समुद्रगुप्त अभिलेख
(B). विलसड स्तंभ लेख	–	कुमारगुप्त
(C). भितरी स्तंभ लेख	–	स्कंदगुप्त
(D). मंदसौर लेख	–	बंधुवर्मन

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 29:- अपने वृत्तांत में फाह्यान उल्लेख नही करता है?

(A). मध्य देश में शांति एवं व्यवस्था का

(B). दण्ड न्याय की कठोरता का

(C). चाण्डालों का समाज बहिष्कृत के रूप में

(D). आम लोगों में निरामिषता का

AZAD UPPCS ACADEMY

29(b):- फाह्यान ने अपने वृत्तांत में निम्नलिखित का वर्णन किया:

1. मध्य देश ब्राह्मणों का देश था, जहां लोग सुखी और सम्पन्न थे।
2. यहां मृत्युदण्ड नहीं दिया जाता था, केवल आर्थिक दण्ड प्रचलित थे। बार–बार राजद्रोह के अपराध में केवल दाहिना हाथ काट लिया जाता था।
3. मध्य देश के लोग न तो किसी जीवित प्राणी की हत्या करते थे और न ही मांस, मदिरा, प्याजक, लहसुन आदि का प्रयोग करते थे। केवल चाण्डाल इसके अपवार थे तथा समाज से बहिष्कृत थे। इस प्रकार चाण्डालों का विस्तृत वर्णन करने वाला फाह्यान पहला विदेशी यात्री था।
4. मध्य देश के लोग सूअर अथवा पक्षियों को नहीं पालते थे तथा पशुओं का व्यापार भी नही करते थे।
5. बाजारों में बूचड़खाने तथा मदिरालय नहीं थे।
6. मध्य देश के लोग क्रय – विक्रय में कौड़ियों का प्रयोग करते थे।
7. मध्य देश में ब्राह्मण धर्म का ही बोलबाला था।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 30:- निम्नलिखित कथनो पर विचार करें:

() ग्रामक्षपटलिक – ग्राम शासन का प्रधान

() बृहदेश्वर – अश्व सेना के अधिकारी

() बलाधिकृत – पैदल सेना के अधिकारी

उपरोक्त में से कौन–सा/से कथन असंगत है/हैं?

(A). केवल (i)

(B). केवल (ii)

(C). केवल (iii)

(D). उपरोक्त में से कोई नहीं

AZAD UPPCS ACADEMY

30 (d) :- ग्राम शासन की सबसे छोटी इकाई थी। ग्राम शासन का प्रधान ग्रामाक्षपटलिक कहलाता था। अश्व सेना के अधिकारियों को बृहदेश्वर, पैदल सेना के अधिकारियों को बलाधिकृत या महाबलाधिकृत कहा जाता था।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 31:- निम्नलिखित कथनो में से कौन –सा/से कथन संगत है/हैं?

(I) भण्डि – प्रधान सचिव

(ii) सिंहनाद – प्रधान सेनापति

(iii) कुन्तल – अश्व सेना का प्रधान

(iv) स्कन्दगुप्त – गज सेना का प्रमुख

कूटः

(A). I, ii, iii

(B). Ii, iii, iv

(C). I, iii, iv

(D). उपरोक्त सभी

AZAD UPPCS ACADEMY

31(d):- हर्ष चरित के अनुसार हर्ष की मंत्रिपरिषद् निम्नलिखित थी।

(i) भण्डि – प्रधान सचिव
(ii) सिंहनाद – प्रधान सेनापति
(iii) कुन्तल – अश्व सेना का प्रधान
(iv) स्कन्दगुप्त – गज सेना का प्रमुख

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 32:- निम्न में से कौन–सा कथन सत्य है?

(A). कोणार्क का प्रसिद्ध सूर्य मन्दिर नरसिंहदेव प्रथम द्वारा बनवाया गया।

(B). चौहान वंश के संस्थापक वासुदेव ने हरिकेलि नामक संस्कृत नाटक की रचना की।

(C). पाल राजवंश ने सर्वप्रथम अपने अभिलेख हिन्दी में उत्कीर्ण करवाये।

(D). बंगाल के सेन राजवंश ने अपनी राजधानी पुरूलिया से शासन किया।

AZAD UPPCS ACADEMY

32 (a) :- ओडिशा स्थित कोणार्क मंदिर सूर्य देवता को समर्पित है, जो सामान्तः 'काले पैगोडा' के नाम से विख्यात है। इस मंदिर का निर्माण 13वी सदी के गंग शासक नरसिहंदेव प्रथम (1236 – 1264ई.) द्वारा करवाया गया था। इस मंदिर के आधार पर 12 पहिये या चक्र निर्मित हैं। बारह चक्र बारह राशियों के प्रतीक हैं और सूर्य के सात घोड़े उसकी किरणों की रंगो के प्रतीक हैं। हरिकेलि नामक संस्कृत नाटक की रचना की रचना विग्रहराज चतुर्थ वीसलदेव ने की। सेन वंश की स्थापना सामन्त देश ने राढ़ में की थी तथा इसकी राजधानी नदिया (लखनौती) थी। सेन राजवंश्ज्ञ प्रथम राजवंश था, जिसने अपना अभिलेख सर्वप्रथम हिन्दी में उत्कीर्ण करवाया था।

Q 33:- निम्नाकित जोड़ों में किसका सुमेल है?

(A). एलोरा की गुफायें – शक

(B). मीनाक्षी मंदिर – पल्लव

(C). खजुराहो मंदिर – चंदेल

(D). महाबलीपुरम् के मंदिर – राष्ट्रकूट

AZAD UPPCS ACADEMY

33(c):- एलोरा आधुनिक महाराष्ट्र के औरंगाबाद से लगभग 25 किमी पश्चिमोत्तर में स्थित है। यह शैलकृत गुफा मन्दिरों के लिए प्रसिद्ध है। यहां कुल 31 शैलकृत गुफाएं है। ये गुफाएं विभिन्न कालों में बनी हैं किन्तु शकों से इनका कोई सम्बन्ध नही है। मीनाक्षी मन्दिर पाण्ड्यों द्वारा तथा महाबलीपुरम् के मन्दिर पल्लव शासकों द्वारा निर्मित किये गये हैं।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 34:- पश्चिमी भारत में प्राचीनतम शैलकृत गुफाएं कहां हैं?

(A). नासिक, एलोरा और अजन्ता

(B). जुनार, कल्याण और पीतलखोरा

(C). अजन्ता, भाजा और कोंडने

(D). भाजा, पीतलखोरा और कोंडने

AZAD UPPCS ACADEMY

34 (a) :- पश्चिमी भारत में शैलकृत गुफाएं नासिक, एलोरा, एवं अजन्ता में है। ये तीनो स्थल महाराष्ट्र में स्थित हैं। एलोरा में कुल 34 शैलकृत गुफाएं हैं, ये हिन्दू, जैन एवं बौद्ध तीनों धर्मो से सम्बन्धित हैं। नासिक की बौद्ध गुफाएं सुविख्यात हैं, उन्हें ' पाण्डुलेण' कहा जाता है । अजन्ता गुफाओं का प्राकृतिक दृश्य बहुत ही शांत एवं मनोहारी है।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 35:- प्रशासन के क्षेत्र में चोल राजवंश का मुख्य योगदान है:

(A). सुनियोजित प्रान्तीय प्रशासन में

(B). एक सुआयोजित राजस्व प्रणाली में

(C). एक सुसंगठित केन्द्रीय सरकार में

(D). एक संगठित स्थानीय स्वशासन में

AZAD UPPCS ACADEMY

AZAD UPSC ACADEMY
Unit Of Azad Group

Online/ Offline Batch

AZAD IAS ACADEMY

IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए

www.azadiasacademy.com

M.9115269789

Our Publication

Azad Publication

अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,

www.azadpublication.com

M.8929821970

Our Foundation

Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हेतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभागी हैं।

www.azadfoundation.net

Unitofazadgroup@gmail.com

ACADEMY

35(d):- चोल प्रशासन की सबसे उल्लेखनीय विशेषता वह असाधारण शक्ति तथा क्षमता हैं, जो स्वायत्तशासी ग्रामीण संस्थाओं के संचालन में परिलक्षित होती हैं। वस्तुतः स्वायत शासन पूर्णतया ग्रामों मे ही क्रियान्वित किया गया। परान्तक कालीन उत्तर – मेरूर से प्राप्त दो अभिलेखों के आधार पर हम चोल कालीन ग्राम शासन प्रणाली का विस्तृत विवरण प्राप्त करते हैं।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 36:- दक्षिणी भारत का प्रसिद्ध 'तक्कोलम का युद्ध' हुआ था:

(A). चोल एवं उत्तर चालुक्यों के मध्य

(B). चोल एवं राष्ट्रकूटों के मध्य

(C). चोल एवं होयसल से मध्य

(D). चोल एवं पांड्यो के मध्य

AZAD UPPCS ACADEMY

36 (b) :- परान्तक –I के अन्तिम दिनों में राष्ट्रकूट शासक कृष्ण III ने पश्चिमी गंगों (बुत्तुग II) की सहायता से तक्कोलम् के युद्ध में चोलों को परास्त किया और तंजौर पर अधिकार कर लिया। कृष्ण III ने इस उपलक्ष्य में 'तंजैयुकोंड' की उपाधि धारण की थी।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 37:- संगम युग में 'उरैयूर' किस लिए विख्यात था?

(A). मसालों के व्यापार का महत्वपूर्ण केन्द्र

(B). कपास के व्यापार का महत्वपूर्ण केन्द्र

(C). विदेशी व्यापार का महत्वपूर्ण व्यापारिक केन्द्र

(D). आंतरिक व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र

AZAD UPPCS ACADEMY

37 (b) :- तमिलनाडु के तिरूचिरापल्ली में अवस्थित कावेरी नदी में तट पर उरैयूर संगम कालीन चोलों एंव प्राचीन पाण्ड्यों की राजधानी था। यह कारी एवं वाराणम् नामों से भी प्रसिद्ध था। संगम युग में उरैयूर सूती वस्त्रों का बहुत बड़ा केन्द्र था।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 38:- निम्नलिखित कथनों में से कौन–सा/से कथन असंगत है/हैं?

(A). चालुक्य शासक अपने शासनकाल में ही अपना उत्तराधिकारी घोषित करते थे।

(B). मणिग्रामम् प्राचीन भारत में व्यापारियों का निगम था।

(C). ऐहोल प्रशस्ति से हमें पुलकेशिन II के विषय में जानकारी मिलती है।

(D). ऐहोल प्रशस्ति की रचना रविकीर्ति ने की थी

AZAD UPPCS ACADEMY

38(a):- चोल काल के सम्राट प्रायः अपने जीवन काल में ही युवराज का चुनाव कर लेते थें, जो उसके बाद उसका उत्तराधिकारी बनता था। दक्षिण भारत में व्यापारियों के संगठन, जैसे– वलंजियार, नानादैसी एवं मणिग्रामम् थे, इनका कार्य व्यापार – व्यवसाय को प्रोत्साहन देना था।

ऐहोल प्रशस्ति बादामी के शासक पुलकेशिन – के इतिहास को जानने का एक सशक्त माध्यम है। इस लेख की भाषा संस्कृत तथा लिपि दक्षिण ब्राह्मी है। इस लेख की रचना रविकीर्ति ने की थी।

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 39:- निम्नलिखित कथनो में से कौन –सा/से कथन असंगत है/हैं?

(i) वेल्लनवगाई : ब्राह्मणों को उपहार में दी गई भूमि।

(ii) शालाभोग : किसी विद्यालय के रख –रखाव की भूमि।

(iii) पल्लिच्चंदम : जैन संस्थानों को दान दी गई भूमि।

कूटः

(A). केवल (i)

(B). केवल (ii)

(C). केवल (iii)

(D). उपरोक्त में से कोई नहीं

AZAD UPPCS ACADEMY

39(a) :- चोल का में भूमि के प्रकार:

(I) वेल्लनवगाई : ब्राह्मणों को उपहार में दी गई भूमि।

(ii) शालाभोग : किसी विद्यालय के रख –रखाव की भूमि

(iii) पल्लिच्चंदम : जैन संस्थानों के दान की गई भूमि।

(iv) देवदान या तिरूनमट्डक्कनी – मंदिर को उपहार मे दी गई भूमि।

(v) पल्लिच्चंदम – जैन संस्थानों को दान दी गई भूमि।

(A). केवल (I) (B). केवल (ii)

(C). केवल (iii) (D). उपरोक्त में से कोई नहीं

AZAD UPPCS ACADEMY

Q 40:- निम्नलिखित कथनो पर विचार करे:

(i) वजंजियार, नानादैसी एवं मनिग्रामम् चोल काल के विशाल व्यापारी समूह थे।

(ii) उत्तरमेरूर शिलालेख परांतक प्रथम के शासनकाल से संबंधित है।

उपरोक्त में से कौन–सा/से कथन सत्य है/हैं?

(A). केवल (i)

(B). केवल (ii)

(C). उपरोक्त दोनों

(D). उपरोक्त में से कोई नहीं

AZAD UPPCS ACADEMY

40(c):- चोल काल के विशाल व्यापारी समूह – वलंजियार, नानादैसी एवं मनिग्राममम् थे। उत्तरमेरूर शिलालेख, जो सभा –संस्था का विस्तृत वर्णन उपस्थित करता है, परांतक प्रथम के शासनकाल से संबंधित है।

AZAD UPPCS ACADEMY

AZAD UPSC ACADEMY
Unit Of Azad Group

Online/ Offline Batch

AZAD IAS ACADEMY

IAS,UPPCS, RO/ARO, BPSC, UKPSC, CGPSC, MPPSC, RPSC, JPSC Exam की आसान भाषा में सम्पूर्ण तैयारी के लिए Azad IAS Academy App Download कीजिए

www.azadiasacademy.com

M.9115269789

Our Publication

Azad Publication

अब आप सभी घर बैठे ही IAS,UPPSC,BPSC, MPPSC, RAS,CGPSC,UKPSC,JPSC,UPSSSC Exam एवं सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की बुक आर्डर कर सकते है, समग्र भारत में पुस्तकों की Delivery उपलब्ध है,

www.azadpublication.com

M.8929821970

Our Foundation

Azad Publication, Azad Group का Charitable Trust है जिसका मुख्य लक्ष्य राष्ट्र की सामाजिक समस्याओं के निदान के निदान हेतु प्रखर रूप से कार्य करना हेतू हैं एवं पर्यावरण संरक्षण, पशु सेवा, आपदा रहित, शिक्षा, स्वास्थएवं विभिन्न जन समस्याओं का जन जागरूकता के माध्यम से राष्ट से में अग्रणी भूमिका निभागी हैं।

www.azadfoundation.net

Unitofazadgroup@gmail.com

ACADEMY